झारखंड: सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य

I. समावेशी मतदाता सूची:

(क) मतदाता-जनसंख्या अनुपात में वृद्धि:

चुनावी व्यवस्था का लक्ष्य 100% पंजीकरण और 100% भागीदारी है। आम तौर पर राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता-जनसंख्या अनुपात 65 से 66% के आसपास रहता है। झारखंड में 2020 के दौरान EP अनुपात लगभग 58% था। छूटे हुए पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में शामिल करना एक बड़ी चुनौती थी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। नीचे प्रस्तुत डेटा खुद ही अपनी बात कहता है।

16.11.2020, EP अनुपात 58.07% था
15.01.2021, EP अनुपात 59.26% था
05.01.2022, EP अनुपात 60.36% था
05.01.2023, EP अनुपात 59.15% था
28.10.2024, EP अनुपात 65.24% था

2020 से 2024 के दौरान, EP अनुपात 58.07 से बढ़कर 65.24 हो गया। इस लक्ष्य को प्राप्त करने और H2H गतिविधियों की उचित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए, पूरे राज्य में हर घर पर स्टिकर, (हर घर दस्तक) अभियान शुरू किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि सभी पात्र मतदाताओं का नामांकन त्रुटि रहित होने तक प्रत्येक BLO प्रत्येक घर में कई बार जाएँ। परिणामस्वरूप, EP अनुपात में 7.17% की वृद्धि संभव हो सकी। BLO द्वारा घरों का 100% सत्यापन और वरीय पदाधिकारियों द्वारा उचित पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित स्टिकर का उपयोग किया गया।

(ख) मतदाता सूची के लिंग अनुपात में वृद्धि:

लैंगिक समानता सुनिश्चित करना हर समाज का लक्ष्य रहा है, मतदाता सूची भी इससे अछूती नहीं है। चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयास किए गए हैं। कहने की जरूरत नहीं कि झारखंड में अब स्थिति बदल गई है। लोकतंत्र के महापर्व में महिलाओं की भागीदारी पर काफी जोर दिया गया। चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लिंग अनुपात बढ़ाया गया है। झारखंड के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो मतदाता सूची में लिंग अनुपात 2020 में 928 था, जो अक्टूबर 2024 में बढ़कर 983 हो गया, यानी जीआर में 58 अंकों का सुधार हुआ। महिलाओं की भागीदारी के लिए कई स्वीप कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंत में, लोकसभा आम चुनाव 2024 और विधानसभा आम चुनाव 2024 के दौरान झारखंड में पुरुष मतदाताओं की तुलना में अधिक महिला मतदाताओं ने लोकतंत्र का चिन्ह अपनी उंगलियों पर लगाया।

(ग) 18-19 वर्ष के पंजीकरण में वृद्धि

चुनाव तंत्र का एक महत्वपूर्ण कार्य 18-19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित करना और उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है। 2021 में इस आयु वर्ग का आयु समूह 0.72% था, जो 2022 में बढ़कर 1.62% हो गया। 2023 में, 18-19 आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं का 1.77% और अंततः 2024 में, इस आयु वर्ग का आयु समूह आँकड़ा बढ़कर 4.6% हो गया जो बहुत संतोषजनक है। निरपेक्ष रूप से, 2021 में, 18-19 वर्ष के आयु वर्ग के 1,70,280 मतदाता थे, 2024 तक यह आँकड़ा बढ़कर 12,02,467 हो गया है। जाहिर है, युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए अथक प्रयास किए गए, जिसके कारण मतदाता सूची समृद्ध और समावेशी बन सकी और पिछले दो आम चुनावों में हमने युवा मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की।

(घ) दिव्यांगजन, एनआरआई, अपवर्जित वर्ग आदि के पंजीकरण में वृद्धि:

हमने मूल सिद्धांत "कोई भी मतदाता पीछे न छूटे" पर काम किया। पिछले चार वर्षों के दौरान प्रत्येक विशेष पुणरिक्षण कार्यक्रम में, हमने समाज के प्रत्येक हाशिए पर खड़े वर्गों के लिए एक विशेष अभियान दिवस समर्पित किया था। हमारे पास दिव्यांग मतदाताओं, वरिष्ठ मतदाताओं, यौनकर्मियों, ट्रांसजेंडरों, पीवीटीजी और बेघर मतदाताओं के लिए एक-एक विशेष अभियान दिवस था। इन विशेष अभियान तिथियों के माध्यम से, हम झारखंड में समावेशी मतदाता सूची सुनिश्चित कर सके।

(ई) मतदाता पहचान पत्र/प्रतिशत कवरेज, एनवीडी में वितरित मतदाता पहचान पत्र:

समय के साथ, हमने मतदाता पहचान पत्र का 100% कवरेज सुनिश्चित किया और बीएलओ को अपने मोबाइल फोन के माध्यम से मतदाताओं की तस्वीरें लेने और बीएलओ ऐप के माध्यम से अपलोड करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। हम मतदाता पहचान पत्र के वितरण के लिए 'हर शुक्रवार को' चक्र का पालन करते हैं। हर शुक्रवार को, ईआरओ प्रिंटर को मुद्रण के लिए मतदाता पहचान पत्र की पीडीएफ भेजते हैं और अगले शुक्रवार तक, प्रिंटर स्पीड पोस्ट के माध्यम से मतदाताओं को वितरण के लिए मतदाता पहचान पत्र का लिफाफा डाकघर को भेज देता है।

(च) भागीदारी निर्माण:

मतदाता जागरूकता के लिए एनएसएस, स्काउट गाइड, एनवाईके, श्रम विभाग, टाटा ग्रुप ऑफ कंपनीज, बोकारो स्टील सिटी, चैंबर ऑफ कॉमर्स आदि के साथ भागीदारी एवं समन्वय स्थापित किया गया। एनएसएस के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में युवाओं का सहयोग लगातार प्राप्त हुआ। स्काउट छात्रों ने विभिन्न अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। नेहरू युवा केंद्र द्वारा अपने जिला समन्वयकों के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए गए। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इस बार पर्व पर विधानसभा आम चुनाव 2024 के दौरान अधिकांश श्रमिक अपने घर वापस आ गए थे और उन सभी तक चुनाव जागरूकता का संदेश पहुंचाना बहुत जरूरी था। इस कार्य में श्रम विभाग ने पूरी लगन से काम किया। सभी श्रमिकों का डाटा उपलब्ध कराया गया और उन्हें बल्क एसएमएस के माध्यम से संदेश भेजा गया। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 135बी के तहत सवेतन अवकाश के नियम को बहुत सख्ती से लागू किया गया और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में श्रमिक समूहों के बीच इस संदेश का प्रचार-प्रसार किया गया। परिणाम स्वरूप टाटा समूह, बोकारो स्टील सिटी आदि औद्योगिक घरानों ने आदेश जारी कर अपने श्रमिकों को सवेतन अवकाश दिया। चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी मतदाता जागरूकता के लिए पूरे राज्य में उल्लेखनीय कार्य किया।

(छ) चुनाव का संचालन- शांतिपूर्ण एवं घटना मुक्त चुनावः

हाल के दिनों तक झारखंड में लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में कई नक्सली घटनाएं, चुनाव संबंधी हिंसा और राजनीतिक दलों के बीच झड़पें होती रही हैं। 2019 के आम चुनाव के दौरान कई नक्सली घटनाएं हुईं और लातेहार, चाईबासा, दुमका एवं गुमला जिले में कई स्थानों पर पुलिस बलों एवं आम लोगों पर हमले किए गए तथा वोट बहिष्कार की धमकियां दी गईं। लोकसभा आम चुनाव 2024 और विधानसभा आम चुनाव 2024 घटना मुक्त एवं हिंसा मुक्त रहे। इन चुनावों 2024 में न तो कोई हिंसा की घटना हुई और न ही कोई नक्सली घटना हुई। गौरतलब है कि लोकसभा आम चुनाव 2024 और विधानसभा आम चुनाव 2024 के दौरान कई स्थानों पर नक्सलियों के पोस्टर लगाए गए थे तथा वोट बहिष्कार की अपील की गई थी, लेकिन चुनाव मशीनरी एवं पुलिस बल तथा संपूर्ण निर्वाचन प्रणाली के समग्र प्रयासों से इन चीजों पर रोक लगी और चुनाव अंततः शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। 2024 के आम चुनावों के दौरान, नक्सलियों द्वारा चुनाव का बहिष्कार किया गया था, लेकिन हम आम मतदाताओं का विश्वास जीत सके और सुरक्षा योजना और प्रोटोकॉल के सावधानीपूर्वक नियोजन और निष्पादन के कारण, पूरे चुनाव अवधि के दौरान कोई नक्सली घटना और कोई हिंसा नहीं हुई। झारखंड की चुनाव मशीनरी, भारतीय वायु सेना, सीमा सुरक्षा बल और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के समन्वित प्रयासों से मतदान कर्मियों को ले जाना और वापस लाना सुनिश्चित हुआ और सुरक्षा बलों ने मतदान कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करके नक्सल घटना मुक्त चुनाव सुनिश्चित करते हुए राज्य के दूरस्थ कोनों में भी मतदान हुआ। लोकसभा आम चुनाव 2024 और विधानसभा आम चुनाव 2024 दोनों पूरी तरह से शांतिपूर्ण और घटना मुक्त चुनाव रहा।

(ज) मतदान प्रतिशत- समग्र तथा कम मतदान और वलनरेवल मतदान केंद्रों पर:

झारखंड ने लोकसभा आम चुनाव 2024 में अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत हासिल किया है। यदि हम 2009 से 2024 तक के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के मतदान प्रतिशत को देखें तो इस बार का मतदान प्रतिशत अब तक का सर्वाधिक है। 2009 में लोकसभा और विधानसभा आम चुनावों में क्रमशः 50.98% और 56.99% मतदान हुआ था, जो इस बार 2024 में क्रमशः 66.77% और 68.20% हो गया। यह मतदान प्रतिशत न केवल अब तक का सर्वाधिक है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आम चुनाव 2024 के मतदान प्रतिशत से भी अधिक है। झारखंड पहले उन राज्यों में शामिल था, जो राष्ट्रीय स्तर पर मतदान प्रतिशत से नीचे थे, इसलिए झारखंड को समावेशी और अधिक भागीदारी के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष कार्य दिया गया है। ईसीआई की मतदान प्रतिशत कार्यान्वयन योजना और स्वीप के तहत विभिन्न कार्यक्रमों को लागू करके, हम इस उच्च वीटीआर को प्राप्त कर सके। लोकसभा आम चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत 66.77% था, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर, वीटीआर 65.4% था। इस बार,

झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे, यह बताने की कोई आवश्यकता नहीं है कि झारखंड का मतदान प्रतिशत महाराष्ट्र के मतदान प्रतिशत से अधिक था। यह भी उल्लेखनीय है कि 74 विधानसभा क्षेत्र ने विधानसभा आम चुनाव 2019 की तुलना में विधानसभा आम चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत में वृद्धि दिखाई। लगातार प्रयासों और कड़ी मेहनत के साथ, झारखंड राज्य राष्ट्रीय औसत की तुलना में उच्च वीटीआर प्राप्त कर सका और संयुक्त बिहार राज्य के समय हो अथवा झारखंड राज्य के गठन के बाद से अब तक का यह उच्चतम वीटीआर है जैसा कि नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है।

Year	Lok Sabha Election		Vidhan Sabha Election
	National Average	Jharkhand	
2009	58.19	50.98	56.99
2014	66.44	63.82	66.53
2019	67.40	66.80	66.09
2024	65.79	**66.77**	**68.30**

(झ) मतदान प्रतिशत- लिंग, शहरी और युवा भागीदारी में अंतर को कम करना:

चुनावी प्रक्रिया में महिला मतदाताओं की भागीदारी को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, हमने मतदाता सूची में महिला मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित किया, जो उच्च लिंग अनुपात से भी जुड़ा है। हमने मतदान केंद्रों में उनकी मतदान प्रतिशत को भी सुनिश्चित किया। लोकसभा 2024 के आम चुनाव और विधानसभा 2024 के आम चुनाव दोनों में, पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं का मतदान 5% से अधिक है। विधानसभा 2024 के आम चुनाव में, 81 विधानसभा क्षेत्रों में से 75 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की अधिक भागीदारी दर्ज की गई। इसके अलावा, लोकसभा 2024 के आम चुनाव के दौरान शहरी लोकसभा क्षेत्रों और विधानसभा 2024 के आम चुनाव के दौरान शहरी विधानसभा क्षेत्रों में झारखंड में पिछले आम चुनावों की तुलना में मतदान प्रतिशत में लगभग तीन प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हमारे केंद्रित प्रयास से झारखंड चुनावों में महिला मतदाताओं की बेहतर भागीदारी और शहरी क्षेत्रों में बेहतर वीटीआर प्राप्त हुए।

(ञ) प्रक्रिया और कार्यप्रणाली में नवाचार:

क. सांविधिक और गैर-सांविधिक प्रपत्रों और लिफाफों का युक्तिकरण और पैकेजिंग

यह सर्वविदित है कि निर्वाचन दल लंबे समय तक बहुत कठिन और भारी कार्य करते हैं और इसलिए, यह आवश्यक है कि प्रेषण केंद्रों और प्राप्ति केंद्रों पर मतदान दलों के बीच संपर्क सहज और सुखद हो। मतदान दलों के कार्यभार को युक्तिसंगत बनाने की भी आवश्यकता है

ताकि वे अपनी ड्यूटी को कुशलतापूर्वक और आसानी से पूरा कर सकें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने मतदान दलों की दक्षता में सुधार करने और उनके कार्यभार को कम करने के लिए सांविधिक और गैर-सांविधिक प्रपत्रों और लिफाफों के युक्तिकरण और पैकिंग पर विस्तृत समीक्षा की। हमारे निष्कर्षों के आधार पर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, झारखंड ने इस विषय पर भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष एक प्रस्तुति दी। हमारी सिफारिशों को थोड़े संशोधन के साथ स्वीकार कर लिया गया और अंततः माननीय आयोग ने 28 जून 2023 को वैधानिक और गैर-वैधानिक प्रपत्रों और लिफाफों के युक्तिकरण और पैकेजिंग पर संशोधित दिशानिर्देश जारी किए। इन युक्तिकरण प्रपत्रों और लिफाफों का पहली बार डुमरी उपचुनाव 2023 में उपयोग किया गया और इसका उपयोग न केवल झारखंड में बल्कि पूरे देश में सभी बाद के चुनावों में किया जा रहा है। इससे न केवल मतदान दलों की दक्षता और काम में आसानी एवं सुधार हुआ बल्कि भ्रम, दोहराव वाले कार्यों और अनजाने में होने वाली त्रुटियों में भी कमी आई।

ख. मतदाता टर्नअराउंड समय प्रबंधन:

मतदान दलों द्वारा धीमी मतदान प्रक्रिया और मतदान केंद्रों में लंबी कतार के कारण लंबा इंतजार करना लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान कुछ शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इस मुद्दे को हल करने के लिए, हमने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा के माध्यम से एक समय-गति अध्ययन किया इस विकसित मॉड्यूल को "वोटर टर्न अराउंड टाइम मैनेजमेंट" कहा गया, जिसका लक्ष्य प्रति मिनट दो वोटिंग करना है। प्रशिक्षण के इस मॉड्यूल में एक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन और एक ऑडियो-वीडियो प्रेजेंटेशन शामिल किया गया। विधानसभा आम चुनाव 2024 में सेक्टर अधिकारियों, आरओ और एआरओ सहित सभी मतदान कर्मियों को इस मॉड्यूल में प्रशिक्षित किया गया। इससे मतदाताओं के लिए प्रतीक्षा समय में कमी आई, मतदान केंद्रों में कतारें कम हुईं और हम लगभग सभी मतदान केंद्रों पर निर्धारित समय पर मतदान पूरा कर सके।

(त) प्रौद्योगिकी के उपयोग में नवाचार:

क. ILMS ऐप:

Integrated Learning Management System Application (ILMS App) एक व्यापक प्रशिक्षण मंच है जिसे विशेष रूप से चुनाव कर्मियों की तैयारी और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ILMS एक बहु-प्लेटफ़ॉर्म समाधान है जो चुनाव कर्मियों को उन्नत AI-संचालित टूल, शिक्षण सामग्री की एक विशाल लाइब्रेरी, स्व-मूल्यांकन सुविधाएँ, AI चैटबॉट, लाइव टेस्ट और इंटरैक्टिव सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करता है ताकि एक संपूर्ण और आकर्षक शिक्षण अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। ILMS ऐप के प्राथमिक उद्देश्य हैं:

• एक उपयोगकर्ता के अनुकूल और सुलभ प्लेटफ़ॉर्म बनाना जो विशेष रूप से चुनाव कर्मियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है।

• AI-संचालित कृत्यकारी को शामिल करना जो उपयोगकर्ता की सहभागिता और सीखने की दक्षता को बढ़ाते हैं

• पुस्तकों, वीडियो, मूल्यांकन और लाइव परीक्षणों सहित संसाधनों की एक व्यापक लाइब्रेरी प्रदान करना

• यह सुनिश्चित करना कि प्लेटफ़ॉर्म आसानी से Android, iOS और वेब प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध हो।

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 और विधानसभा आम निर्वाचन 2024 दोनों के दौरान, हमने लाइव टेस्ट आयोजित करके मतदान कर्मियों के ज्ञान को साझा करने और मूल्यांकन के लिए इस उपकरण का बड़े पैमाने पर उपयोग किया।

ख. वाहन प्रबंधन प्रणाली:

झारखंड में, हमें वाहन मालिक को किराए का भुगतान न करने, लॉग-बुक के खराब रखरखाव और चुनाव के बाद रिकॉर्ड खोने के बारे में बहुत सारी शिकायतें मिलीं और कुछ मामलों में, वाहन मालिकों ने भुगतान जारी करने के लिए माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका भी दायर की। इस मुद्दे को हल करने के लिए, हमने 2022 में रामगढ़ उपचुनाव में वाहन प्रबंधन के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली विकसित किया और हमने झारखंड में बाद के सभी चुनावों में इस प्रणाली का उपयोग किया। वाहन प्रबंधन प्रणाली को वाहन मालिकों और ईंधन स्टेशनों के बकाया और बिलों को परेशानी मुक्त तरीके से प्रबंधित करने के लिए विकसित किया गया था। इस प्रणाली ने न केवल वाहन मालिकों और चुनाव प्रबंधन मशीनरी के विवाद को कम करने में हमारी मदद की, बल्कि सभी चुनावों में वाहन मद पर खर्च में भी कमी आई। URL- https://jhceovms.nic.in

(थ) सुगम्य चुनाव:

सुगम्य चुनाव भारत चुनाव आयोग के मुख्य लक्ष्यों में से एक है। आयोग का उद्देश्य हर मतदाता को मतदाता सूची में शामिल करना और यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव के समय उनके मताधिकार का प्रयोग सुगमता से किया जाए, चाहे वे दिव्यांग हों या किसी विशेष श्रेणी की दिव्यांगता से संबंधित हों या जिनकी उम्र 85 वर्ष से अधिक हो। झारखंड की मतदाता सूची में दिव्यांग व्यक्तियों की संख्या लगभग 4 लाख है। इसमें चलने-फिरने में अक्षम 1,83,758 मतदाता, बोलने-सुनने में अक्षम 46,584 मतदाता, दृष्टिबाधित 72,642 मतदाता और अन्य दिव्यांग 92,676 मतदाता शामिल हैं। 1652 मतदाता 100 वर्ष से अधिक आयु के और 1,13,825 मतदाता 85 वर्ष से अधिक आयु के हैं। विभिन्न स्वीप कार्यक्रमों के माध्यम से

दिव्यांग मतदाताओं के बीच आईटी एप्लीकेशन जैसे सक्षम ऐप और दिव्यांग मतदाताओं के लिए बूथों पर उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। उनके पंजीकरण के लिए विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए। जो मतदाता खुद को मतदान केंद्र आने में सक्षम नहीं मानते थे, उन्हें घर से मतदान की सुविधा दी गई। शेष मतदाता जो मतदान केंद्र पर आने के इच्छुक थे, उन्हें उनके अनुरोध के अनुसार पिक-अप और ड्रॉप के लिए वाहन उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा, उन्हें स्वयं-सेवक, रैंप, व्हील चेयर, सुलभ शौचालय, नेत्रहीन मतदाताओं के लिए साथी, डमी बैलेट शीट, मतदाता गाइड आदि उपलब्ध कराए गए। नतीजतन, मतदान केंद्रों के माध्यम से या घर से मतदान की सुविधा के माध्यम से, पिछले दो आम चुनावों में लगभग 95% दिव्यांग मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

(द) चुनावी साक्षरता क्लब:

चुनावी व्यवस्था में चुनावी साक्षरता क्लब की अहम भूमिका होती है, झारखंड भी इससे अछूता नहीं है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत चार प्रकार के क्लब स्थापित किए गए हैं, जो हैं भावी मतदाता के लिए ईएलसी, युवा मतदाता के लिए ईएलसी, चुनाव पाठशाला और मतदाता जागरूकता फॉर्म। पिछले तीन वर्षों में इन सभी ईएलसी के गठन और सक्रियण के लिए गहन प्रयास किए गए हैं। 2021 से झारखंड राज्य में भावी मतदाता के लिए 2,610 ईएलसी, युवा मतदाता के लिए 514 ईएलसी, 29,562 चुनाव पाठशाला और 2,358 मतदाता जागरूकता फॉर्म स्थापित किए गए हैं। इन क्लबों के माध्यम से प्रत्येक मतदाता को चुनावी साक्षरता का ज्ञान प्राप्त हुआ और मतदाता सूची में नामांकन के लिए सभी सुविधाएं आसानी से मिल गईं। इन चार प्रकार के ई.एल.सी. को चुनाव से पहले सघन रूप से सक्रिय किया गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 12 लाख युवा मतदाता मतदाता सूची में पंजीकृत हुए, ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई, महिलाओं की भागीदारी बढ़ी और समाज के हर वर्ग को मतदान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मतदाता जागरूकता मंच में, विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में काम करने वाले लोगों को वोट देने का अधिकार प्राप्त करने का शुभ अवसर मिला और उन्हें सवेतन अवकाश जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की गईं।

(ध) अतिरिक्त संकेतक:

क. सोशल मीडिया अभियान:

समाज में हाल के दिनों में सोशल मीडिया का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ा है, खासकर युवा मतदाताओं के बीच। युवा मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए हमने सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग किया। झारखंड में चुनाव मशीनरी इतनी प्रशिक्षित है कि हम अपने हैशटैग को राष्ट्रीय स्तर पर ट्रेंड कर सके और हमारा एक हैशटैग #MainBhiElectionAmbassador

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ट्रेंड हुआ। लोकसभा 2024 और विधानसभा के आम चुनाव के दौरान हमारे कुछ हैशटैग अभियान इस प्रकार हैं:

#ProudOfMyBLO
#NaamJancho
#SeniorVoterVoice
#IamVerifiedVoter
#MummyPapaVoteDo
#VoteDeneChalo

ख. फील्ड कार्यकर्ताओं के लिए कार्य-विशिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल:

फील्ड स्तर पर चुनाव में शामिल सभी कर्मचारियों के ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए, हमने कार्य-विशिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया है जिसमें पीपीटी और वीडियो शामिल हैं। त्रुटि-मुक्त चुनाव के लिए सभी एनएलएमटी और एएलएमटी को इन मॉड्यूल पर राज्य स्तर पर व्यापक रूप से प्रशिक्षित किया गया। फील्ड कार्यकर्ताओं, मतदान दलों और सुरक्षा कर्मियों के लिए तैयार की गई कुछ शिक्षण अधिगम सामग्री इस प्रकार है:

List of Power Point Presentations

Sl No	Presentation Topics	Language
1	Common Errors by Polling Parties	English & Hindi
2	Voter Turn Around Time Management	English & Hindi
3	Control Room & PDMS	English
4	Duties and Responsibilities of Polling parties	Hindi
5	Duties and Responsibilities of AT	English & Hindi
6	Duties and Responsibilities of FST	English & Hindi
7	Duties and Responsibilities of SST	English & Hindi
8	Duties and Responsibilities VST_and_VVT	English & Hindi
9	EVM AND VVPAT for PrO & PO	English & Hindi
10	Forms Filling, Sealing & Packing- Hindi	Hindi
11	Management of EVM-cum-Material Reception Centre	English
12	MICRO OBSERVERS	English & Hindi
13	PB, ETPBS & EDC- English & Hindi	English & Hindi
14	Poll-eve and Polling-day Duties of BLOs	English & Hindi
15	SO- Mistakes, Errors and IT Apps	Hindi
16	SO- Poll-EVE & Poll Responsibilities	English & Hindi
17	SO- Pre-Poll Responsibilities	English & Hindi
18	VOLUNTEERS	Hindi
19	Webcasting	English & Hindi
20	Chunav Pustika 2024	Hindi
21	Role of CAPF in Elections	English & Hindi
22	Vulnerability and Criticality	Hindi

List of Training Videos

Sl No	Video Topics	Language
1	PB- Voters on Election Duty	Hindi
2	PB-Absentee Voters on Essential Services	Hindi
3	PB-Home Voting	Hindi
4	Salute to BLO_HD	Hindi
5	Volunteers	Hindi
6	Voter Turn Around Time Management	Hindi
7	Webcasting	Hindi

ग. प्रलोभन मुक्त चुनाव:

यह सुनिश्चित करने के लिए अधिक जोर दिया गया कि नकदी, ड्रग्स, शराब और मुफ्त उपहार जैसे प्रलोभन मतदाताओं पर हावी न हों। सभी प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क और त्वरित कार्रवाई के लिए सख्त निदेश दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप झारखंड में अवैध सामग्रियों पर महत्वपूर्ण अंकुश लगा, जिसके परिणामस्वरूप लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान 143 करोड़ रुपये से अधिक और विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान 207 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती हुई, जो 2019 की तुलना में 12 गुना से अधिक वृद्धि है। उच्च अधिकारियों के साथ अंतर-राज्यीय बैठकों और आवधिक समीक्षाओं के परिणामस्वरूप सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण हुआ। अवैध प्रलोभनों के खिलाफ त्वरित और लक्षित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सीईओ स्तर, डीईओ स्तर और एसपी स्तर पर नियंत्रण कक्षों में वेबकास्टिंग फीड की सहायता से एकीकृत चेक पोस्टों की लगातार निगरानी की गई। वन जांच चौकियों, मुफ्तखोरी के लिए जब्ती आदि की भूमिका बढ़ाई गई तथा वाणिज्यिक कर विभाग और वन विभाग द्वारा जब्ती में तेजी से वृद्धि हुई। राज्य में जांच चौकियां एकीकृत जांच चौकियों के रूप में कार्य करती रहीं। सीईओ स्तर, डीईओ स्तर और एसपी स्तर पर नियंत्रण कक्षों में जांच चौकियों से वेबकास्टिंग फीड की निरंतर निगरानी की जाती रही।

घ. सीएपीएफ, मतदान कर्मियों, मतदाताओं और अन्य के लिए सुविधाएं:

ईसीआई के निर्देशानुसार, सीएपीएफ के लिए उनके शिविरों, मतदान दलों के प्रशिक्षण केंद्रों, प्रेषण केंद्रों और प्राप्ति केंद्रों पर सुविधाओं पर विशेष जोर दिया गया और सभी बूथों पर मतदाताओं के लिए न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित की गईं। सीएपीएफ कर्मियों द्वारा दिए गए प्रशंसा पत्र संलग्नक में संलग्न हैं जो सीएपीएफ को प्रदान की गई सुविधाओं के बारे में स्वयं बताते हैं।

II. उपलब्धि/कार्य का सारांश:

झारखंड में उपलब्धियों और किए गए कार्यों का सारांश नीचे दिया गया है:

1. मतदान प्रतिशत का अनुपात 2020 में 58.07% से बढ़कर अक्टूबर 2024 में 65.24% हो गया, जो 7.17% अंकों की वृद्धि है।

2. लिंग अनुपात 2020 में 928 से बढ़कर अक्टूबर 2024 में 983 हो गया, जो 58 अंकों की वृद्धि है

3. 18-19 वर्ष के मतदाताओं का आयु समूह 2021 में 0.72% से बढ़कर अक्टूबर 2024 में 4.6% हो गया, जिससे 18-19 वर्ष के आयु वर्ग के 12,02,467 मतदाताओं का नामांकन हुआ।

4. झारखंड में पीडब्ल्यूडी मतदाताओं, वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं, यौनकर्मियों, ट्रांसजेंडरों, पीवीटीजी और बेघर मतदाताओं के नामांकन के माध्यम से समावेशी रोल सुनिश्चित किया गया है।

5. उचित प्रशिक्षण और निगरानी के माध्यम से 100% पीईआर कवरेज और 100% ईपीआईसी कवरेज।

6. ईसीआई के निर्देशों के अनुसार सभी हितधारकों को चुनावी प्रणालियों में शामिल किया गया है।

7. लोकसभा आम निर्वाचन 2024 और विधानसभा आम निर्वाचन 2024 में बिना किसी पुनर्मतदान के घटना मुक्त और नक्सल घटना मुक्त चुनाव कराए गए।

8. झारखंड राज्य के गठन के बाद से विधानसभा आम निर्वाचन 2024 में 68.30% का अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ, जिसमें संयुक्त बिहार का समय भी शामिल है। 74 एसी ने विधान सभा आम चुनाव 2024 में विधान सभा आम चुनाव 2019 की तुलना में मतदान प्रतिशत में वृद्धि दिखाई।

9. पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं का मतदान 5% से अधिक है। आम चुनाव विधानसभा 2024 में, 81 एसी में से 75 एसी में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की अधिक भागीदारी दर्ज की गई।

10. वैधानिक और गैर-वैधानिक प्रपत्रों और लिफाफों का युक्तिकरण और पैकेजिंग, ताकि मतदान दलों की कार्यकुशलता और कार्य में आसानी हो, साथ ही भ्रम, दोहराव वाले कार्यों और अनजाने में होने वाली त्रुटियों में कमी आए।

11. मतदाताओं की कतार में लगने वाले समय को कम करने के लिए "वोटर्स टर्न अराउंड टाइम मैनेजमेंट" नामक प्रशिक्षण मॉड्यूल के कार्यान्वयन के माध्यम से प्रति मिनट दो मतदाताओं के लक्ष्य के साथ सभी मतदान केंद्रों में मतदान की गति बढ़ाई गई है।

12. चुनाव के दौरान चुनाव मशीनरी के बीच बेहतर जानकारी और वाहनों के बेहतर उपयोग के लिए झारखंड में ILMS ऐप और VMS विकसित और कार्यान्वित किए गए हैं।

13. दिव्यांग मतदाताओं और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए सुविधाएं सुनिश्चित करके झारखंड में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए गए हैं।

14. मतदाताओं की बेहतर शिक्षा और चुनावी प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के लिए झारखंड में बड़ी संख्या में चुनावी साक्षरता क्लब स्थापित किए गए हैं।

15. हैशटैग अभियान के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं के बीच मतदाता शिक्षा के लिए सोशल मीडिया अभियान का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ट्रेंड किया गया।

16. चुनाव प्रबंधन में चुनाव कर्मियों की जिम्मेदारियों के अनुसार 22 विभिन्न विशिष्ट विषयों में शिक्षण और सीखने की सामग्री विकसित और उपयोग की गई।

17. जीईएलएस 2019 और जीईवीएस 2019 की तुलना में जीईएलएस 2024 और जीईवीएस 2024 में 12 गुना से अधिक जब्ती करके प्रलोभन मुक्त चुनाव सुनिश्चित किया गया।

18. जीईएलएस 2024 और जीईवीएस 2024 के दौरान सीएपीएफ, पुलिस कर्मियों, मतदान कर्मियों और मतदाताओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान की गईं।